

## राज्यपाल ने दी पंडति रघुनाथ मुरमू जनजातीय विश्वविद्यालय अधियक को मंजूरी

### चर्चा में क्यों?

20 सितंबर, 2022 को राज्यपाल रमेश बैस ने झारखंड विधानसभा से पारित पंडति रघुनाथ मुरमू जनजातीय विश्वविद्यालय अधियक, 2022 पर स्वीकृति प्रदान कर दी।

### प्रमुख बिंदु

- राज्यपाल के पास यह अधियक दूसरी बार भेजा गया था। इससे पूर्व इस अधियक के हनिदी और अंगरेजी संस्करण में त्रुटि रहने के कारण राज्यपाल ने वापस लौटा दिया था। इसके बाद सुधार करते हुए विधानसभा के मानसून सत्र में इसे पारित कराकर दोबारा राज्यपाल के पास भेजा गया था।
- पंडति रघुनाथ मुरमू जनजातीय विश्वविद्यालय का मुख्यालय जमशेदपुर होगा और क्षेत्राधिकार संपूरण झारखंड में रहेगा। विश्वविद्यालय के कुलपति की नियुक्ति राज्य सरकार द्वारा निर्धारित सर्च कमेटी की अनुशंसा पर राज्यपाल करेंगे।
- विश्वविद्यालय के निर्माण का उद्देश्य जनजातीय भाषा और आदवासी समुदाय की समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा को सहेजना, उन पर शोध करना तथा आदवासी समाज के मेधावी विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करना है।
- जनजातीय विश्वविद्यालय सभी वर्गों, जातियों और पंथों के लिये खुला रहेगा। ज़रूरत के हिसाब से किसी भी ज़िले में रीजनल सेंटर खोला जा सकेगा। विश्वविद्यालय में 10 संकाय में छात्र शिक्षा प्राप्त कर सकेंगे।
- इस विश्वविद्यालय के खुलने से झारखंड के साथ-साथ पश्चिम बंगाल और ओडिशा के छात्रों को भी लाभ मल्लिगा। इस विश्वविद्यालय का निर्माण जमशेदपुर के गालुडीह और घाटशला के बीच करने की योजना है।